

ORAL ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

**GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF FINANCE
DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS**

**RAJYA SABHA
STARRED QUESTION NO. 286
ANSWERED ON 23.03.2021**

ASSESSMENT OF GROWTH OF GDP

286. SHRI P. BHATTACHARYA:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

- (a) whether Government has assessed the growth of Gross Domestic Product(GDP) during the last two years and the current year;
- (b) if so, the details thereof, year-wise;
- (c) whether Government has also assessed the growth rate in the agricultural, industrial manufacturing and services sectors while making the said assessment; and
- (d) if so, the details of estimated annual growth rate in these sectors during the said period, sector-wise?

ANSWER

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI ANURAG SINGH THAKUR):

- (a) to (d): A Statement is laid on the Table of the House.

**STATEMENT REFERRED TO IN REPLY TO THE RAJYA SABHA
STARRED QUESTION NO. 286 BY SHRI P. BHATTACHARYA
DUE FOR ANSWER ON MARCH 23, 2021**

(a) & (b) As per the latest estimates released by National Statistical Office (NSO), Ministry of Statistics and Program Implementation (MoSPI), the real Gross Domestic Product (GDP) in India grew at 6.5 percent during Financial Year (FY) 2018-19, 4.0 percent during FY 2019-20 and is estimated to contract by 8.0 percent in the current year FY 2020-21.

(c) & (d) As per the latest estimates released by NSO, MoSPI, the sector wise growth estimates during the last two years and the estimates of current year are indicated as under.

**Growth of Gross Value Added (GVA) at Basic Prices by
Economic Activity and GDP at Market Prices (percent)**

Sectors	Growth rate at constant (2011-12) prices (percent)		
	FY 2018-19 2 nd RE	FY 2019-20 1 st RE	FY 2020-21 2 nd AE
Agriculture, forestry & fishing	2.6	4.3	3.0
Industry	5.3	-1.2	-8.2
Mining & quarrying	0.3	-2.5	-9.2
Manufacturing	5.3	-2.4	-8.4
Electricity, gas, water supply & other utility services	8.0	2.1	1.8
Construction	6.3	1.0	-10.3
Services	7.2	7.2	-8.1
Trade, hotel, transport storage	7.1	6.4	-18.0
Financial , real estate & prof. services	7.2	7.3	-1.4
Public administration, defence and other services	7.4	8.3	-4.1
GVA at basic prices	5.9	4.1	-6.5
GDP at market prices	6.5	4.0	-8.0
<i>Source: National Statistical Office (NSO), MoSPI</i>			
<i>Notes: RE: First Revised Estimates, AE: Advance Estimates</i>			

प्रश्नों का मौखिक उत्तर

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

राज्य सभा

तारांकित प्रश्न संख्या 286

(जिसका उत्तर मंगलवार, 23 मार्च, 2021/2 चैत्र, 1943 (शक) को दिया जाना है)

सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि का आंकलन

286. श्री पि. भट्टाचार्य:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने विगत दो वर्षों और चालू वर्ष के दौरान सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि का आंकलन किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने उक्त आंकलन करते समय कृषि, औद्योगिक विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में वृद्धि दर का भी आंकलन किया है; और

(घ) यदि हां, तो उक्त अवधि के दौरान इन क्षेत्रों में कितनी-कितनी वार्षिक वृद्धि होने का अनुमान है?

उत्तर

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अनुराग सिंह ठाकुर) :

(क) से (घ): वविरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

श्री पि. भट्टाचार्य द्वारा पूछे गए दिनांक 23.03.2021 को उत्तरार्थ राज्य सभा तारांकित प्रश्न सं. 286 के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) और (ख): राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (एनएसओ), सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा जारी किए गए नवीनतम अनुमानों के अनुसार, भारत में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वित्त वर्ष (वि.व.) 2018-19 में 6.5 प्रतिशत, वित्त वर्ष (वि.व.) 2019-20 के दौरान 4.0 प्रतिशत एवं चालू वित्त वर्ष 2020-21 में 8.0 प्रतिशत का संकुचन होने का अनुमान है।

(ग) और (घ): एनएसओ, एमओएसपीआई द्वारा जारी नवीनतम अनुमानों के अनुसार, विगत दो वर्षों के दौरान क्षेत्रवार वृद्धि अनुमान और चालू वर्ष के अनुमान नीचे दिए गए हैं।

बाजार मूल्य पर आर्थिक गतिविधि और जीडीपी द्वारा आधार मूल्यों पर सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) वृद्धि (प्रतिशत)

क्षेत्र	स्थिर (2011-12) मूल्यों पर वृद्धि दर (प्रतिशत)		
	वि.वर्ष 2018-19 दूसरा सं.अ.	वि.व. 2019-20 पहला सं.अ.	वि.व. 2020-21 दूसरा अ.अ.
कृषि, वानिकी एवं मत्स्यन	2.6	4.3	3.0
उद्योग	5.3	-1.2	-8.2
खनन एवं उत्खनन	0.3	-2.5	-9.2
विनिर्माण	5.3	-2.4	-8.4
विद्युत, गैस, जल आपूर्ति एवं अन्य उपयोगी सेवाएं	8.0	2.1	1.8
निर्माण	6.3	1.0	-10.3
सेवाएं	7.2	7.2	-8.1
व्यापार, होटल, यातायात भंडारण	7.1	6.4	-18.0
वित्तीय, रियल एस्टेट एवं व्यावसायिक सेवाएं	7.2	7.3	-1.4
लोक प्रशासन, रक्षा एवं अन्य सेवाएं	7.4	8.3	-4.1
आधार मूल्यों पर जीवीए	5.9	4.1	-6.5
बाजार मूल्यों पर जीडीपी	6.5	4.0	-8.0
<p>स्रोत: राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (एनएसओ), एमओएसपीआई टिप्पणी: सं.अ.: पहला संशोधित अनुमान, अ.अ.: अग्रिम अनुमान</p>			

श्री उपसभापति: प्लीज़ आप अपनी जगह पर बैठ जाइए। ...**(व्यवधान)**... आपकी कोई बात रिकॉर्ड पर नहीं जा रही है। ...**(व्यवधान)**... Question Hour. Question No. 286; Shri P. Bhattacharya, not present. माननीय मंत्री जी। ...**(व्यवधान)**... First supplementary. ... माननीय जयराम रमेश जी, आप सवाल पूछिए। ...**(व्यवधान)**... Nothing is going on record except your question. ...**(Interruptions)**... Only your question will go on record. Please put your question. ...**(Interruptions)**...

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: Sir, the House is not in order. ...**(Interruptions)**...

श्री उपसभापति: माननीय जयराम रमेश जी, आप अपना सवाल पूछिए। ...**(व्यवधान)**...

SHRI JAIRAM RAMESH: Sir, the House is not in order. ...**(Interruptions)**... Please bring the House in order. ...**(Interruptions)**...

श्री उपसभापति: मैं सबसे रिक्वेस्ट कर रहा हूँ, सब लोग बैठ जाइए। Let the Question Hour run. ...**(Interruptions)**... Hon. Jairam Rameshji, please put your question. ...**(Interruptions)**...

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: Sir, this is very unfortunate. ...**(Interruptions)**...

SHRI JAIRAM RAMESH: Sir, please bring the House in order.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It is in order. आप अपनी तरफ से बैठिए। सारे लोग order में हैं।

...**(व्यवधान)**... प्लीज़, प्लीज़। ...**(व्यवधान)**... Please, please.

SHRI JAIRAM RAMESH: Sir, my question is slightly technical. It has nothing to do with politics. We measure GDP on a year-to-year basis. Most countries measure GDP on a quarter-to-quarter basis. Now, when you measure it on a year-to-year basis, you know what we are doing today compared to one year ago whereas, increasingly, it is becoming evident that we need to know what we were doing two, three or four months earlier. So, my question is this: In addition to reporting GDP on an annual basis, which it is doing and which has been going on

for the last 70 years, will the Government now also consider reporting GDP on a quarter-to-quarter basis, so that it is more internationally comparable and we are in a better position to judge the impact of Government policies?

श्री अनुराग सिंह ठाकुर: सर, हालांकि माननीय सांसद महोदय का प्रश्न एक सुझाव के रूप में है, मैं उसको सुझाव के रूप में भी ले सकता हूँ, लेकिन मैं सदन के ध्यान में यह जरूर लाना चाहूँगा कि जब Covid-19 pandemic हुआ, उस समय भी पहले quarter में - चूँकि lockdown था, बन्द था और कल 24 मार्च को उसका एक वर्ष पूरा होगा - अप्रैल से जून तक का growth rate minus 24.4 था। Second quarter में growth rate minus 7.7 था। उस समय मोदी सरकार ने जो अच्छे कदम उठाये, उसका लाभ यह मिला है कि अब इसकी जो positive growth है, वह third quarter में 0.4 per cent है। यह मैं आपके ध्यान में लाना चाहता हूँ।

श्री सुशील कुमार मोदी: महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि as on today the base year is 2011-12. GDP को calculate करने का base year 2011-12 है। The Advisory Committee on National Accounts & Statistics has recommended, considering earlier 2017-18, and afterwards 2020-21, as the next base year. मैं सरकार से आग्रह करता हूँ कि हर पाँच साल पर base year को बदला जाना था, तो 2011-12 के base year को - माननीय मंत्री राव इन्द्रजीत सिंह जी ने 2019 में पार्लियामेंट के अन्दर जवाब दिया था कि we are considering changing the base year to 2017-18. मैं माननीय मंत्री जी से आग्रह करना चाहता हूँ कि base year को बदलने के बारे में सरकार का क्या मंतव्य है?

श्री अनुराग सिंह ठाकुर: सर, चूँकि माननीय सदस्य जी ने MoSPI, Ministry of Statistics and Programme Implementation, की बात की है और उसके अलावा इन्होंने एक सुझाव भी दिया है, जो सरकार के ध्यानार्थ है।

श्री महेश पोद्दार : महोदय, क्या हम मान सकते हैं कि जीएसटी के बढ़ते आँकड़े और जीडीपी की ग्रोथ इस ओर इशारा करती है कि दोनों करीब-करीब साथ चलते हैं? यदि हाँ, तो क्या पिछले कुछ महीनों में एक लाख करोड़ रुपए से ऊपर का जीएसटी कलेक्शन यह बताता है कि आर्थिक गतिविधियाँ कोरोना की मार से उबरकर करीब-करीब नॉर्मल हो गई है?

श्री अनुराग सिंह ठाकुर : सर, माननीय सांसद महोदय ने जीएसटी कलेक्शन की बात भी कही, अगर आप e-way bill के आँकड़े भी देखेंगे, तो उसमें भी स्पष्ट तौर पर नज़र आता है कि गतिविधियाँ बढ़ी हैं। अगर e-way bill के numbers देखेंगे, तो वे भी बढ़े हैं। अगर आप पिछले साल के उसी महीने के नंबर से तुलना करेंगे, तो उसमें भी बढ़ोतरी हुई है और पिछले पाँच महीने - अक्टूबर, नवंबर, दिसम्बर, जनवरी और फरवरी, इन पाँचों महीनों में जीएसटी कलेक्शन एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हुआ है और यही कारण भी है कि जो तीसरी तिमाही के जीडीपी

नंबर आए हैं, वे पॉजिटिव आए हैं। एक तो व्यापार पहले की तुलना में, लॉकडाउन के समय से अब बेहतर चल रहा है, वापस पटरी पर आया है और हम जो V-shaped recovery की बात करते हैं, वह इसमें स्पष्ट तौर पर दिखती है। इसके पीछे जो कारण है, वह यह है कि कोविड-19 के समय सरकार ने ऐसे कदम उठाए, चाहे वह व्यापारियों के लिए 6 महीने तक moratorium period हो या आम लोगों को सुविधा देने की बात हो या Emergency Credit Line Guarantee Scheme के माध्यम से मध्यम, सूक्ष्म और लघु कुटीर उद्योगों या बाकी व्यवसाय करने वाले लोगों के लिए भी लगभग तीन लाख करोड़ रुपये की जो सुविधा दी गई या जो 20 प्रतिशत अतिरिक्त कार्यशील पूंजी दी गई, उसका भी लाभ मिला। Credit Guarantee Scheme for Subordinate Debt लाई गई, Partial Credit Guarantee Scheme लाई गई, लगभग 29 लाख करोड़ रुपये का आत्मनिर्भर पैकेज और इसके साथ जो reforms लाए गए, उनका एक बहुत बड़ा लाभ और असर अर्थव्यवस्था में देखने को मिल रहा है, जिसने गति भी दी है, जिससे जीएसटी कलेक्शन भी बढ़ा है और जीडीपी के नंबर भी बेहतर हुए हैं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Question No.287.